आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 245 | उज्जैन, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नशे से दूरी है जरूरी अभियान के संकल्प पत्र पर किए हस्ताक्षर

समाज को नशा और अपराध मुक्त बनाने के लिए प्रदेश पुलिस चला रही है जागरुकता अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशे से दूरी है जरूरी अभियान केवल अभियान नहीं, मादक पदार्थों की लत से युवाओं को बचाने की दिशा में समाज और पुलिस की सहभागिता का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित वृहद जन-जागरूकता अभियान ÷नशे से दूरी-है जरूरी÷ के अंतर्गत भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह अभियान 15 से 30 जुलाई 2025 तक प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस मुख्यालय के नारकोटिक्स विंग द्वारा संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

पुलिस के नशा मुक्ति अभियान से जुड़ीं स्वयंसेवी संस्थाएं नशा मुक्ति अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस अधिकारी, नगर एवं ग्राम रक्षा समितियां और कम्युनिटी पुलिसिंग के सभी विंग साथ मिलकर स्कूल, कॉलेज के युवाओं और आमजनों को नशे से दूरी बनाने के लिए जागरुक करेंगी। स्वयंसेवी संस्थाओं को भी प्रदेश स्तरीय महाअभियान से जोड़ा जा रहा है ताकि जनता में विशेषकर युवाओं में जागृति आए कि नशा किस प्रकार से उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को खत्म कर प्रगति को बाधित कर रहा है। पुलिस का यह कार्य जन-जागरुकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि समुदाय को कानून, असुरक्षा, गलत नीतियों के बारे में जानकारी देना आवश्यक है, ताकि प्रदेशवासी नशा और अपराध मुक्त वातावरण में एक बेहतर जीवन जी सकें।

अजमेर दरगाह में कोई दुर्घटना होने पर हम नहीं होंगे जिम्मेदार, किसके नोटिस पर हुआ बवाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई मुस्लिम संगठनों ने अजमेर दरगाह के नाजिम की ओर से जारी किए गए नोटिस की आलोचना की गई है। इस नोटिस में दरगाह परिसर में पुरानी संरचनाओं के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिए जिम्मेदारी से इनकार किया गया है।

21 जुलाई को जारी किए गए नोटिस में तीर्थयात्रियों को दरगाह परिसर के अंदर संभावित संरचनात्मक खतरों के बारे में चेतावनी दी गई है, लेकिन कहा गया है कि दुर्घटनाओं की स्थिति में प्रशासन कानूनी रूप से जिम्मेदार नहीं होगा।

इस तरह का अस्वीकरण नामंजूर- मुस्लिम प्रोग्रेसिव फेडरेशन ने इस नोटिस को शर्मनाक और जिम्मेदारी का पतन बताया है। नाजिम को लिखे पत्र में महासंघ के अध्यक्ष अब्दुल सलाम जौहर ने कहा, आध्यात्मिक महत्व के किसी स्थल पर इस तरह का अस्वीकरण जारी करना अस्वीकार्य है।

पत्र में कहा गया कि प्रशासन को जिम्मेदारी से इनकार करने के बजाय असुरक्षित क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए थी और उनकी मरम्मत करनी चाहिए थी। राजस्थान मुस्लिम एलायंस के अध्यक्ष मोहसिन रशीद ने इसे कर्तव्य की उपेक्षा बताया है।

भारत और चीन के रिश्तों में जमी बर्फ अब पिघलना शुरू, भारत का दौरा करेंगे चीनी विदेश मंत्री!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन ने बुधवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ समग्र स्थिति की समीक्षा की और सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए आधार तैयार किया। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की यह 34वीं बैठक नई दिल्ली में हुई।

इसमें दोनों देशों ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता की सामान्य स्थिति को लेकर संतोष व्यक्त किया।विदेश मंत्रालय ने बताया, दोनों पक्षों ने इस वर्ष के अंत में भारत में होने वाली विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के अगले दौर के लिए भी तैयारी की।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर सकते भारत का दौरा- विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता साल के आखिर में भारत में होगी, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी के आने की संभावना है। वांग और एनएसए अजीत डोभाल इस वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं।

मुर्शिदाबाद में तृणमूल कार्यकर्ता की धारदार हथियार से हत्या, परिवार को इस बात का शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक और कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। ताजा घटना मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर इलाके की है जहां बुधवार रात एक तृणमूल कार्यकर्ता की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक का नाम षष्ठी घोष है। हत्या की वजह अभी साफ नहीं है। मालूम हो कि बंगाल में बीते 15 दिनों के भीतर सत्तारूढ़ दल से जुड़े पांच लोगों की हत्या हो चुकी है। इसमें बीरभूम जिले में दो, मालदा में एक और दक्षिण 24 परगना में एक तृणमूल नेता की हाल में हत्या कर दी गई थी।

धारदार हथियार से बार-बार हमला- अधिकारी ने बताया कि षष्ठी घोष बुधवार रात घर लौट रहे थे, तभी हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया और एक धारदार हथियार से उन पर बार-बार हमला किया। उन्होंने बताया कि सड़क पर खून से लथपथ पड़े घोष को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आपसी रंजिश हो सकता है हत्या का कारण- अधिकारी ने बताया कि हत्या का कारण संपत्ति के मामले में आपसी रंजिश हो सकती है, लेकिन असली मकसद जांच के बाद ही पता चलेगा। आरोपियों की तलाश जारी है।

इस बीच, मृतक के परिवार ने दावा किया कि घोष की हत्या टीएमसी से जुड़े होने के कारण की गई।

जिस स्कूटर ने दिखाई चकाचौंध की दुनिया उसे बेचने की हिम्मत नहीं कर सके गुजराती सिंगर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय संस्कृति में संतों और महंतों के निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार करने के बजाय उन्हें समाधि दी जाती है। हालांकि, कई लोग अपनी प्रिय चीजों को भी समाधि देते हैं।

ऐसे में गुजरात के प्रसिद्ध लोकगायक जिग्नेश कविराज के परिवार ने भी उनके पुराने स्कूटर को कबाड़ में भेजने या किसी और को बेचने के बजाय उसे एक अनोखी विदाई दी है। दरअसल मेहसाणा जिले के खेरालू गांव में जिग्नेश कविराज के घर के सामने उनके प्रिय स्कूटर को समाधि दी गई है।

मेरे करियर में स्कूटर का अहम स्थान- जिग्नेश कविराज ने खुद अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

अपनी पोस्ट में लोकगायक जिग्नेश ने लिखा, मेरे करियर की पहली उपलब्धि, मेरे पिता का स्कूटर है। मेरे शुरुआती दिनों में मेरे पिता इसी स्कूटर से गांव-गांव कार्यक्रम करने जाया करते थे। स्मृति के तौर, हमने आज अपने खेरालू गांव में अपने घर के सामने एक स्मारक में स्कूटर को समाधि दे दी है। इसके साथ ही एक वीडियो भी पोस्ट किया गया है। इस वीडियो में जिग्नेश कविराज के परिवार के सदस्य एक बजाज स्कूटर को कुमकुम का तिलक कर रहे हैं, उसे फूलों की माला पहना रहे हैं और फिर घर के सामने खोदे गए गड्ढे में समाधि दे रहे हैं।

दिल्ली में बाढ़ का खतरा, मुंबई में बारिश से हाल बेहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम में अचानक बदलाव हुआ है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के ज्यादातर राज्यों में मानसून की बारिश हो रही है।

अगले 24 घंटों में दिल्ली, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र व कच्छ, पश्चिम राजस्थान, रायलसीमा और तमिलनाडु में हल्की बारिश का पूर्वानुमान है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी के कई निचले इलाकों में यमुना का पानी घुसने लगा है। इसके साथ ही हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से यमुना में पानी छोड़ा जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, UK से पीएम मोदी बोले- नहीं बख्शे जाएंगे लोकतंत्र के दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर साइन हुए। समझौते के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया। पाकिस्तान का सीधा नाम न लेते हुए तीखा हमला बोला कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड नहीं चल सकते। 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी।

पीएम मोदी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ भारत-ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर दस्तखत के बाद बोल रहे थे। यह समझौता दोनों देशों के लिए व्यापार और निवेश के नए रास्ते खोलेगा। पीएम मोदी कहा, जो लोग लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग करके लोकतंत्र को ही कमजोर करना चाहते हैं, उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पीएम मोदी ने संवाददाताओं से बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत यूके सरकार और पीएम स्टार्मर को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और वादा किया कि यूके सरकार आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के साथ खड़ी है।

पीएम मोदी ने इस समझौते को साझा समृद्धि की योजना बताया और कहा कि इससे भारत की कई चीजें जैसे कपड़े, जूते, आभूषण, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग सामान ब्रिटेन में ज्यादा बिक पाएंगे। इसके अलावा भारत के किसानों, मछुआरों, छोटे कारोबारियों और युवाओं के लिए भी यह समझौता नई उम्मीदें लेकर आया है।

इस समझौते से भारत की बनी जेनेरिक दवाएं, सर्जिकल उपकरण, एक्स-रे मशीन, जैसे मेडिकल सामान अब विदेशों में ज्यादा भेजे जा सकेंगे। वहीं, भारत में भी ब्रिटेन के अच्छे मेडिकल उपकरण अब सस्ते मिल सकेंगे।

राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हुए बांग्लादेश स्ष्ट के पूर्व चीफ जस्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पूर्व न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक को ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हक पर राजद्रोह समेत तीन आपराधिक मामलों में केस दर्ज हैं। 2010 से 2011 के बीच वे बांग्लादेश के 19वें चीफ जस्टिस रहे थे।

खैरुल हक को खासतौर पर 2011 के उस फैसले के लिए जाना जाता है जिसमें उन्होंने कैयरटेकर सरकार की व्यवस्था को असंवैधानिक करार दिया था। उन्हें ढाका के धानमंडी में उनके घर से डेटेक्टिव ब्रांच की टीम ने पकड़ा है।

खैरुल हक पर तीन केस हैं दर्ज- ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर तालेबुर रहमान ने बताया कि हक के खिलाफ तीन केस दर्ज हैं और उन पर कानूनी कार्रवाई जारी है। संभावना है कि उन्हें कम से कम एक केस में गिरफ्तार दिखाकर कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हक पर इन केसों की शुरुआत अगस्त 2024 में हुई, जब प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन नामक आंदोलन ने हिंसक प्रदर्शन कर सत्ता से बाहर कर दिया।

उस समय खैरुल हक लॉ कमिशन के चेयरमैन थे और उन्होंने 13 अगस्त को इस्तीफा दे दिया था। वे शेख हसीने की सरकार के दौरान अपने पद पर कार्यरत थे।

कब-कब मामला हुआ दर्ज- हक पर पहला मामला ढाका में दर्ज हुआ था, जिसमें उन पर धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। कहा गया है कि उन्होंने 13वें संविधान संशोधन (कैयरटेकर सरकार सिस्टम) को असंवैधानिक ठहराने वाले फैसले को गुपचुप तरीके से बदला था।

इसके एक हफ्ते के बाद, हक पर नारायणगंज में इसी मुद्दे पर एक और केस दर्ज किया गया था। तीसरा मामला भी अगस्त में ही एक अन्य वकील ने ढाका में दर्ज कराया था, जिसमें भ्रष्टाचार और गलत तरीके से फैसले देने का आरोप लगाया गया है। 2011 में खैरुल हक ने कैयरटेकर सरकार सिस्टम को खत्म किया था, इसके बाद विवाद बढ़ गया था। फैसले में कहा गया था कि यह व्यवस्था संविधान की भावना के खिलाफ है। हालांकि, उसी फैसले में दो आगामी चुनावों को कैयरटेकर सिस्टम के तहत करवाने की छूट दी गई थी।

विशेषज्ञों ने की आलोचना- इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने पास किया था। इसमें तीन जज फैसले के खिलाफ थे, तीन समर्थन में थे और खैरुल हक ने निर्णायक वोट डाला था। कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले की आलोचना की थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतंत्रिक प्रणाली को कमजोर कर दिया, क्योंकि कैयरटेकर सिस्टम चुनावों में निष्पक्षता की गारंटी देता था। 1991, 1996, 2001 और 2008 के चुनाव इसी प्रणाली के तहत हुए थे और

800 साल पुराने हिंदू मंदिर के लिए क्यों लड़ रहे दोनों देश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व एशिया के दो पड़ोसी मुल्कों की सेना आमने-सामने आ चुकी है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव अब सैन्य संघर्ष में बदल चुका है। हम बात कर रहे हैं भारत से करीब 5,000 किलोमीटर दूर थाईलैंड और कंबोडिया की। इस संघर्ष में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है।

सवाल ये है कि दोनों देश आखिर लड़ क्यों रहे हैं? जवाब है एक प्रीह विहार मंदिर पर अपना अधिकार हासिल करने के लिए। दोनों देशों के बीच कई सालों से सीमा विवाद का मुद्दा चल रहा है।

सीमा विवाद की वजह- दरअसल, फ्रांस ने 1863 से लेकर 1953 तक कंबोडिया पर शासन किया था। फ्रांस ने ही दोनों देशों के बीच 817 किलोमीटर की लंबी सीमा निर्धारित की थी।

नक्शे के मुताबिक, डांगरेक पर्वत श्रृंखला पर स्थित प्रीह विहियर मंदिर को कंबोडियाई इलाके में शामिल किया गया था, जिसपर थाईलैंड ने आपत्ति जताई थी। मंदिर विवाद समय के साथ गहराता चला गया।

1907 में फ्रांस ने दोनों देशों के बीच सीमा बनाया था। नक्शे के मुताबिक, 11 वीं शताब्दी के प्रीह विहियर मंदिर को कंबोडियाई क्षेत्र में दिखाया गया। फ्रांस के फैसले पर कंबोडिया ने नाराजगी जाहिर की। इसके बाद कंबोडिया के मैदान पर हावी पठार के किनारे बन भगवान शिव को समर्पित प्रीह विहार मंदिर को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद की शुरुआत हो गई। सिर्फ मंदिर ही नहीं, सीमा के आसपास के कई इलाके ऐसे हैं, जिस पर दोनों देश अपना दावा करते आए हैं।

क्या है मंदिर का इतिहास- जानकारों की मानें तो मंदिर को 9वीं से 11वीं सदी के दौरान बनाया गया था। शुरूआती समय में यहां पर भगवान शिव की पूजा होती थी, लेकिन बाद में यह बौद्ध धार्मिक परिसर में तब्दील हो गया।

यह मंदिर उस ऐतिहासिक खमेर साम्राज्य के समय का है, जिसकी सीमाएं आधुनिक कंबोडिया के अलावा थाईलैंड के कुछ हिस्सों तक फैली थीं।

चीन-पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं... ये साउथ एशियन देश बने एक-दूसरे के खून के प्यासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर एक बार फिर से तनाव की लपटें उठनी शुरू हो गई हैं। थाईलैंड ने गुरुवार को स्न-16 लड़ाकू विमान से कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। इस हमले में कई कंबोडियाई नागरिकों की जान चली गई है। वहीं थाईलैंड पर भी कंबोडिया ने मिसाइल हमले किए है। इस हमले में कम से कम 9 लोगों की जान चली गई है। थाईलैंड ने अपनी सीमा को कंबोडिया से पूरी तरह बंद कर दिया है, जबकि कंबोडिया ने थाई हमले को बेरहम हमला कहा है।

थाई सेना के मुताबिक, छह F-16 विमानों को सीमा पर तैनात किया गया था। इनमें से एक ने कंबोडिया में सैन्य ठिकाने को तबाह कर दिया। थाई सेना के उप-प्रवक्ता रिचा सुकसुवनन ने कहा, हमने हवाई ताकत का इस्तेमाल तयशुदा सैन्य निशानों पर किया। इस तनाव की शुरुआत गुरुवार तड़के हुई, जब दोनों देशों की सेनाओं ने एक-दूसरे पर गोलीबारी शुरू की। थाईलैंड का कहना है कि कंबोडियाई सैनिकों ने उनकी सैन्य चौकी और आम नागरिकों के इलाकों, यहां तक कि एक अस्पताल पर भी तोपों से हमला किया। इससे कई नागरिक घायल हुए।

रडार से गायब, घने जंगल में क्रैश...रूसी विमान हादसे में सभी 50 लोगों के मौत की आशंका, क्या थी वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। एक एंटोनोव एएन-24 यात्री विमान क्रैश हो गया। इस विमान में करीब 50 लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा।

रूसी आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि विमान का मलबा जंगल में जलता हुआ मिला। हेलीकॉप्टर से ली गई तस्वीरों में विमान का अगला सिरा आग की लपटों में घिरा दिखाई दिया। बचाव दल घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन हालात बेहद मुश्किल हैं।

विमान साइबेरिया की एअरलाइन अंगारा का था। ये विमाव ब्लागोवेशचेंस्क से टायंडा जा रहा था। यह विमान 1976 में बना था और सोवियत जमाने का था। टायंडा के पास पहुंचते ही यह विमान रडार से गायब हो गया था।

हादसे की क्या वजह आ रही सामने- हादसे की वजह खराब मौसम और चालक दल की गलती को माना जा रहा है। रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी के बीच लैंडिंग के दौरान चालक दल से चूक हुई, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पाकिस्तानी पासपोर्ट को मिला नीचे से चौथा स्थान, यमन और सोमालिया के साथ मिली जगह; भारत की रैंकिंग सुधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में हर देश के नागरिकों को विदेश यात्रा के लिए अलग-अलग वीजा सुविधाएं मिलती हैं। Henley Passport Index इन्हीं सुविधाओं को लेकर एक रिपोर्ट जारी करता है, जिसमें बताया जाता है कि किस देश का पासपोर्ट कितना ताकतवर है।

इस रिपोर्ट में जितनी जगहों पर बिना वीजा के जाया जा सकता है, उतना ही वह पासपोर्ट मजबूत माना जाता है। 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट्स में शामिल हो गया है।

किन देशों की लिस्ट में शामिल है पाकिस्तान- पाकिस्तान के पासपोर्ट से सिर्फ 32 देशों में ही बिना वीजा के यात्रा की जा सकती है। हालांकि, पाकिस्तान की रैंकिंग थोड़ी जरूर सुधरी है और अब वो 96वें स्थान पर आ गया है।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान की स्थिति कुछ देशों से थोड़ी बेहतर जरूर है, जिसमें अफगानिस्तान, सीरिया, इराक, यमन और सोमालिया जैसे देश शामिल हैं जहां के हालात बेहद खराब हैं।

2024 में चौथा सबसे कमजोर था पाक का पासपोर्ट- 2024 की रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट यमन के साथ मिलकर चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट के रूप में दर्ज था। 2025 में यह थोड़ा ऊपर आया है, लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक है।

यह इंडेक्स 199 पासपोर्ट और 227 देशों की यात्रा की सुविधाओं का विश्लेषण करता है। इसमें देखा जाता है कि किसी पासपोर्ट पर कितने देशों में बिना वीजा, वीजा ऑन अराइवल, ई-वीजा या ट्रैवल परमिट से यात्रा की जा सकती है।

दक्षिण अफ्रीका में 39 वर्षीय करोड़पति CEO की मौत, सफारी के दौरान हाथियों ने कुचलकर ली जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के एक गेम रिजर्व में बड़ा हादसा हुआ है। गेम रिजर्व के मालिक और करोड़पति सीईओ की ही हाथी ने कुचलकर हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार को सुबह 8 बजे गोंडवाना प्राइवेट गेम रिजर्व में हुई।

हाथी ने सीईओ पर दातों से किया हमला- डेली मेल के अनुसार, हाथियों के एक झुंड को पर्यटक आवासों से दूर ले जाने का प्रयास कर किया जा रहा था। तभी, हाथियों का भगाने का काम गड़बड़ा गया और एक बड़ा वजनी हाथी ने करोड़पति सीईओ पर हमला कर दिया।

कथित तौर पर हाथी ने फ्रेंकोइस क्रिश्चियन कॉनराडी को अपने दांतों से मारा और उन्हें कई बार कुचला, जिससे आस-पास के रेंजर अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाने में असमर्थ रहे।

हाथियों से था गहरा लगाव- कॉनराडी एक केलिक्स ग्रुप स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के भी मालिक थे। उनके बारे में कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें हाथियों और नेचर से गहरा लगाव था और वे अक्सर उनकी तस्वीरें लेने के लिए जंगलों और रिजर्व में जाते थे। उनके पास जूलॉजी, पशु अध्ययन, कॉमर्स एंड मार्केटिंग की डिग्री थी।

गोंडवाना के एक अधिकारी ने कहा कि कॉनराडी के हादसे के बारे में उनकी कंपनी के कर्मचारियों को कुछ न कहने की चेतावनी दी गई है कि वे कुछ भी न कहें, वरना उन्हें उसी दिन नौकरी से निकाल दिया जाएगा।

वापस घर जाओ..., ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिर को बनाया निशाना; दीवारों पर लिखी गाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में एक बड़े हिंदू मंदिर को नस्लीय नफरत का शिकार बनाया गया है। श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर नफरत भरे नारे और अपमानजनक शब्द लिखे गए, जिनमें गो होम और ब्राउन जैसे शब्दों के साथ गाली-गलौज शामिल था।

यह घटना न केवल हिंदू समुदाय के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह नस्लीय द्वेष का ताजा उदाहरण है। इस हमले ने ऑस्ट्रेलिया में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत को सामने ला दिया है।

पुलिस ने पुष्टि की है कि यह घटना 21 जुलाई को मेलबर्न के बोरोनिया इलाके में हुई। मंदिर के अलावा पास के दो एशियाई रेस्तरां की दीवारों पर भी वही नस्लीय नारे लिखे गए।

इन हमलों ने स्थानीय लोगों में एकसाथ डर और गुस्से को जन्म दिया है। पुलिस ने बताया कि बोरोनिया और बेसवाटर में चार ऐसी घटनाओं की जांच चल रही है।

हमारे विश्वास और संस्कृति पर हमला- हिंदू काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया चैप्टर के अध्यक्ष मकरंद भगवत ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, हमारे मंदिर शांति, भक्ति और एकता का प्रतीक है। इसे नफरत भरे शब्दों से अपवित्र करना बेहद दुखद है। यह हमारे विश्वास और संस्कृति पर हमला हैं।

1 करोड़ दो तब रहूंगी, 12 साल की बच्ची ने पिता के साथ रहने के लिए की डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक बच्ची ने अपने पिता के साथ रहने के लिए 1 करोड़ रुपये की मांग की है। बच्ची की कस्टडी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक विवाद चल रहा है। इस केस में चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब कोर्ट ने बच्ची की मां को सख्त चेतावनी दी।

दरअसल, 12 साल की बच्ची ने अपने पिता से कहा कि वह तभी उनके साथ रहेगी जब वह उसे 1 करोड़ रुपये देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने बच्ची की मां को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वह उसकी मानसिकता को बिगाड़ रही है।

चीफ जस्टिस की बेंच ने की सुनवाई- सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनेद के बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। बच्ची के पिता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता पीआर पाटवालिया ने बताया कि निचली अदालत ने बच्ची की कस्टडी पिता को दी थी, लेकिन मां ने अब तक बच्ची को पिता के हवाले नहीं किया।

उन्होंने यह भी बताया कि हाई कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई है, लेकिन वहां भी कोई हल नहीं निकला। इसके अलावा, पिता ने हाई कोर्ट में मां के खिलाफ अदालत की अवमानना की शिकायत भी की, जिसे खारिज कर दिया गया। अब वे इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

बच्ची ने पिता पर हमला भी किया- सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि बच्ची ने अपने पिता पर डंडे से हमला भी किया था। पिता ने बताया कि बच्ची ने फिर से उनके साथ जाने से इनकार कर दिया।

पिता ने बताया कि बच्ची ने साफ कहा कि आप मेरी मां को परेशान कर रहे हैं और आपने केस किया है। 1 करोड़ रुपये दो वरना मैं नहीं जाऊंगी।

मुश्किल में फंसी केरल CM विजयन की बेटी, CBI-ED जांच की मांग पर हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीना विजयन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केरल हाई कोर्ट ने आज सीएमआरएल-एक्सालॉजिक सौदे की सीबीआई और ईडी जांच की मांग वाली याचिका पर वीना और अन्य को नोटिस जारी किया है।

अदालत ने यह कार्रवाई भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शॉन जॉर्ज द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में की है।

धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच की मांग- जॉर्ज ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड के बीच कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच की मांग की थी।

मामले के सुनवाई जस्टिस सीएस डायस ने की थी। रिट याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता ही वास्तविक शिकायतकर्ता है, जिसके कहने पर SFIO (गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय) ने उक्त धोखाधड़ी की जांच शुरू की थी।

इससे पहले उन्होंने 2023 में हाईकोर्ट के समक्ष आरोपों की जांच के लिए एक और रिट याचिका दायर की थी।

सभी कारों में अनिवार्य होंगे 6 एयरबैग? याचिका पर क्या आया सुप्रीम कोर्ट का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में चलने वाली सभी पैसेंजर गाड़ियों में छह एयरबैग को अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि यह मामला पूरी तरह से नीति निर्धारण से जुड़ा है और इसमें अदालत का दखल देना ठीक नहीं होगा।

इस मामले पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह इस मुद्दे पर सरकार को अपनी बात रखें। याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने 17 मई को केंद्र सरकार को इस बारे में पत्र पहले ही भेज दिया है।

बेंच ने अपने फैसले में कहा, ÷इस याचिका में की गई मांगे पूरी तरह से नीति बनाने वाले कार्यपालिका के क्षेत्र में आती है। इसलिए हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। अगर याचिकाकर्ता ने पहले ही सरकार को प्रतिनिधित्व दिया है तो उसे उसके अनुसार विचार किया जाएगा।

याचिकाकर्ता का दावा- याचिका में दावा किया गया था कि भारत में कार दुर्घटनाओं के दौरान जान बचाने के लिए गाड़ियों में 6 एयरबैग जरूरी है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा था कि सरकार का इसे अनिवार्य न बनाना संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

Air India के खिलाफ DGCA का एक्शन, इन कमियों पर 4 कारण बताओ नोटिस किए जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। DGCA Notice to Air India विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया पर एक्शन लिया है। कंपनी द्वारा कई नियमों के उल्लंघन करने पर ये नोटिस जारी किए गए हैं। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से डीजीसीए एक्शन मोड में है।

इस कारण नोटिस किए गए जारी- केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी मानदंडों, केबिन क्रू प्रशिक्षण नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न उल्लंघनों के लिए नियामक ने चार कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

एअरलाइन द्वारा नियामक को कुछ स्वैच्छिक खुलासे किए जाने के एक महीने बाद यह जानकारी दी गई है। सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि ये कारण बताओ नोटिस 20 और 21 जून को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को एअरलाइन द्वारा किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर 23 जुलाई को जारी किए गए।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा, हमें नियामक से एअर इंडिया द्वारा पिछले एक साल में किए गए कुछ स्वैच्छिक खुलासों से संबंधित ये नोटिस प्राप्त होने की जानकारी है। हम निर्धारित अवधि के भीतर इन नोटिसों का जवाब देंगे। हम अपने चालक दल और यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया द्वारा 20 जून को किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर तीन कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें कम से कम चार अल्ट्रा लॉन्ग हॉल उड़ानों के संबंध में केबिन क्रू ड्यूटी और आराम नियमों का उल्लंघन शामिल है।

शक्ति का गलत इस्तेमाल हुआ, एक्टर दर्शन को कर्नाटक हाईकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता दर्शन थूगुदीप पर अपहरण, टॉर्चर और हत्या जैसे गंभीर आरोप लगे थे। इस मामले में अभिनेता को कर्नाटक हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को न्यायिक शक्ति का गलत इस्तेमाल बताया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा जमानत आदेश हत्या जैसे गंभीर मामलों में नहीं दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कर्नाटक हाई कोर्ट का जमानत देना प्रथम दृष्टया न्यायिक शक्ति का गलत प्रयोग दिखता है।

क्या है मामला- दरअसल, जून 2024 में रेनुकास्वामी नामक एक 33 साल के व्यक्ति के अपहरण, टॉर्चर और हत्या का मामला सामने आया था। इस केस में साउथ इंडियन फिल्म अभिनेता दर्शन मुख्य आरोपी हैं। उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट से जमानत मिल गई, जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है।

पिछले हफ्ते भी सुप्रीम कोर्ट ने इस जमानत को लेकर सवाल उठाए थे और कहा था कि हाई कोर्ट ने न्यायिक शक्ति का सही इस्तेमाल नहीं किया। इस बार सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पर्दीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने हाई कोर्ट के फैसले की भाषा पर कड़ी टिप्पणी की।

कोर्ट की भाषा को बताया चिंताजनक- उन्होंने पूछा कि क्या हाई कोर्ट ने इसे बरी करने जैसा आदेश दिया है? उन्होंने कहा कि हम दोषी या निर्दोष होने का फैसला नहीं देंगे, लेकिन हाई कोर्ट के आदेश की भाषा और तर्क चिंताजनक हैं।

कोर्ट ने कहा कि क्या हत्या जैसे गंभीर मामलों में ऐसे ही जमानत के आदेश दिए जाते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, हाई कोर्ट का यह कहना कि गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए, यह बेहद चौंकाने वाला है खासकर एक हत्या के केस में।

जस्टिस ने उठाए सवाल- जस्टिस पर्दीवाला ने सवाल उठाया कि क्या हाई कोर्ट हर मामले में इसी तरह के आदेश देता है?

30 साल की इंजीनियर ने की आत्महत्या, 2 सरकारी अधिकारी पर लगे बड़े आरोप; सुसाइड नोट में बताई आपबीती

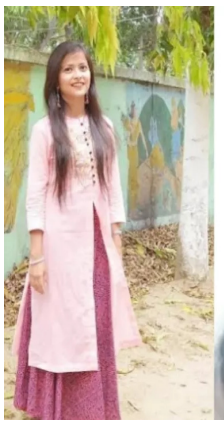

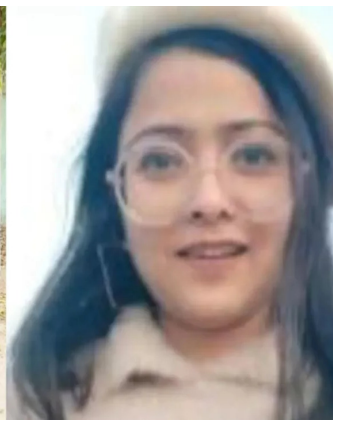

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 30 साल की एक सहायक इंजीनियर ने अपने किराए के मकान में आत्महत्या कर ली थी। बोंगाईगांव में मंगलवार को महिला सहायक इंजीनियर अपने मकान में मृत पाई गईं थी।

इस मामले में पुलिस ने दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारी को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पुलिस को महिला के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि दो सीनियर सरकारी अधिकारी महिला पर फर्जी बिल पास करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। महिला ने अपने सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि दो वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर अधूरे बिलों को मंजूरी देने के लिए उस पर लगातार दबाव डाला जा रहा था। इस वजह से महिला मानसिक तनाव में थी।

बोंगाईगांव के एसएसपी मोहन लाल मीणा ने बताया कि सुसाइड नोट में जिन दो लोगों के नाम हैं, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि एक पीडब्ल्यूडी का कार्यकारी अभियंता है और दूसरा उप-मंडल अधिकारी है।

एसएसपी ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में दोनों का जिले से बाहर तबादला कर दिया गया था। उन्होंने कहा, दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। हमें उनसे पूछताछ करने और अपनी जांच करने की अनुमति मिल गई है।

क्या-क्या लगे आरोप- मोहन लाल मीणा ने बताया कि पुलिस महिला के शव के पास मिले सुसाइड नोट में लगे आरोपों की पुष्टि कर रही है। एक अन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों अधिकारियों ने बोंगाईगांव में एक मिनी स्टेडियम के निर्माण को लेकर महिला पर बहुत दबाव डाल रहे थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

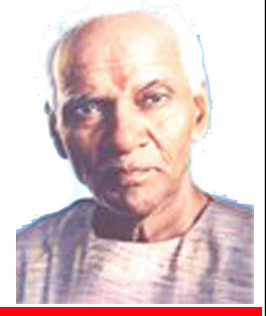

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा

संपादकीय

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनियाँ में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है...

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनियाँ में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह आवाज 142.6 करोड़ जनसांख्यिकीयतंत्र की आवाज़ होती है इसलिए पूरी दुनियाँ के प्रमुख व्यक्तित्व गंभीरता से भारत के बयानों पर ध्यान देकर उसका उचित विवेकपूर्ण मंथन कर सकारात्मक समझ निकालते हैं।हालांकि अपवाद स्वरूप कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत की बातों को विवादों में भी ले जाने की कोशिश करते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम भारत माता के वंशज हैं। संस्कृति, सभ्यता हमारे लहू में समाई हुई है। हम दैनिक जीवन में भी अपनी राय बेबाकी से रखने में विश्वास रखते हैं क्योंकि हम लोकतंत्र की छत्रछाया में रहने के आदी हैं, परंतु हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी राय बनाने में गंभीर नहीं हैं बिना सोचे समझे बयान बाजी, राय देना सलाह देना, किसी भी बात का नकारात्मक मतलब निकालना, बिना बात के झगड़ा बढ़ाना, सहनशीलता संवेदनशीलता और सहिष्णुता की कमी के कारण जीवन में छोटी-छोटी बातों का परिणाम विभित्सक रूप धारण कर लेता है जिससे हमारी जान के लाले भी पड़ जाते हैं इसलिए हमें चाहिए कि किसी भी विषय वस्तु, बात,स्थिति पर अपनी राय बनाते,शब्दों का चयन करते द्य समय विवेकपूर्ण हाजर मंथन कर उस बात को रखना अपेक्षाकृत सटीक होगा, उस राय की सटीकता का विचार भी कुछ पलों में कर नपी तुली समझ का परिचय देना जरूरी है। चूंकि हम वैश्विक स्तरपर भारत की राय और भारत माता के सपूतों की राय प्रकट करने की बात कर रहे हैं, इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ सोच समझकर अपनी राय बनाए, वाणी बोले।

साथियों बात अगर हम अनेक मुद्दों पर मनीषियों की राय की करें तो दरअसल, हर मुद्दे को लेकर सबकी राय अलग अलग होती है, ऐसे में कई लोग सही तरह से राय व्यक्त न कर पाने के कारण भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, तो कुछ लोग दिलचस्प तरीके से अपनी बात रखकर भीड़ से अलग पहचान बनाने में कामयाब हो जाते हैं,आमतौर पर हर चीज को लेकर सभी लोगों कि अपनी अपनी राय होती हैं, ऐसे में ज्यादातर लोग नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा से लेकर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और घरेलू मामलों में अपनी राय देने से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों की राय भीड़ से बिल्कुल अलग होती है. वहीं अगर हम चाहें तो कुछ इंप्रेसिव तरीकों से अपनी राय को सबसे अलग बना सकते हैं। साथियों कई बार जल्दी जल्दी में राय देने के चक्कर में हम अपनी बात को सही तरीके से पेश नहीं कर पाते हैं, ऐसे में न सिर्फ हम सामने वाले को अपनी बात समझाने में असफल हो जाते हैं बल्कि सामने बैठे लोग हमारी बात का गलत मतलब भी निकाल सकते हैं, इसलिए हमें अपनी राय रखने से पहले शब्दों का चुनाव काफी सोच-समझ कर ही करना है। वैसे तो हर मुद्दे पर सभी का अलग राय होती है, वहीं राय सही या गलत भी हो सकती है, मगर राय रखते समय कई लोग अपनी बात को इतने खास अंदाज में बयां करते हैं कि हम चाहकर भी उनकी बात का विरोध नहीं कर पाते हैं। हालांकि, अगर हम चाहें तो राय देने के इस दिलचस्प तरीके को अपनी व्यक्तित्व में भी शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राय देने में शब्दों के चयन की करें तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी हमें शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए, चाहे किसी से बात करने के क्रम में हो या किसी समारोह में या किसी वाद विवाद में।

परशुराम चतुर्वेदी

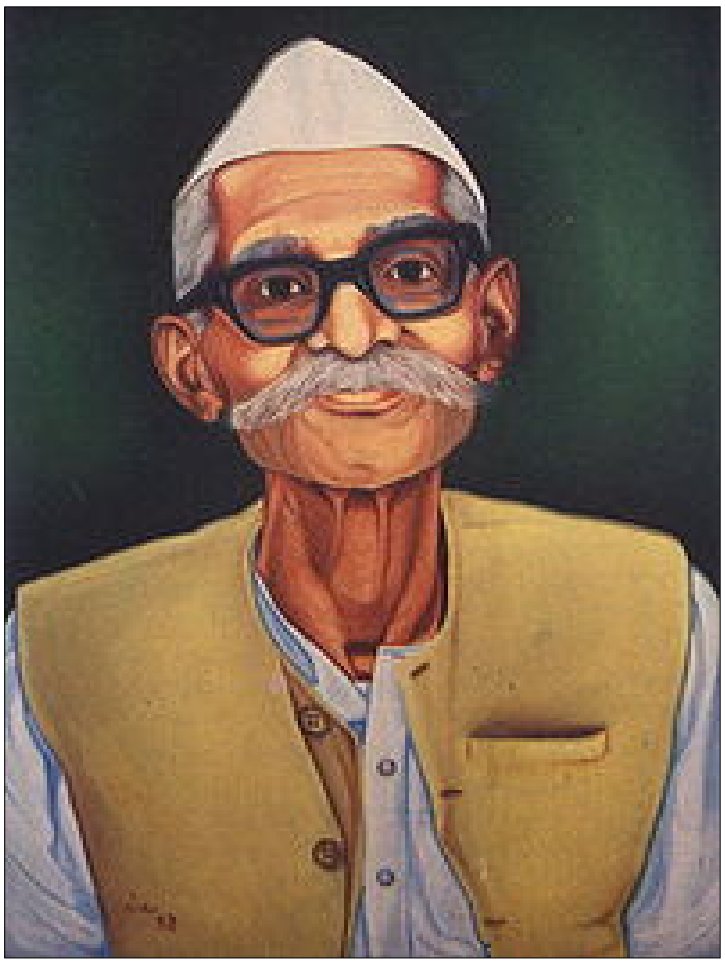

आचार्य परशुराम चतुर्वेदी परिश्रमशील विद्वान् शोधकर्मी समीक्षक थे। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बलिया में हुआ था। उनकी शिक्षा इलाहाबाद तथा वाराणसी विश्वविद्यालय में हुई। वे पेशे से वकील थे, किंतु आध्यात्मिक साहित्य में उनकी गहरी रुचि थी। संस्कृत तथा हिन्दी की अनेक उपभाषाओं के वे पंडित थे।

व्यक्तित्व- परशुराम चतुर्वेदी का व्यक्तित्व सहज था। वे सरल स्वभाव के थे। स्नेह और सौहार्द के प्रतिमूर्ति थे। इकहरा शरीर, गौरवर्ण, मध्यम कद काठी और सघन सफेद मूंछें उनके बड़प्पन को प्रकाशित करने के लिये पर्याप्त थीं। उनके मुख मंडल पर परंपरागत साहित्य की कोई विकृति की रेखा नहीं देखी गयी बल्कि एक निश्चित दीप्ति सदा थिरकती रही, जिससे बंधुता एवं मैत्री भाव विकीर्ण होता रहता था। चतुर्वदी जी महान् अन्नवेषक थे। मनुष्य की चिंतन परंपरा की खोज में उन्होंने संत साहित्य का गहन अध्ययन किया। वे मुक्त चिंतन के समर्थक थे, इसलिये किसी सम्प्रदाय या झंडे के नीचे बंधकर रहना पसंद नहीं किया। साहित्य में विकासवादी सिद्धांत के वे पक्षधर थे। उनकी विद्वता के आगे बड़े-बड़ों को हमेशा झुकते देखा गया। उनका जीवन मानवता के कल्याण के प्रति समर्पित था।

कबीर को ख्याति दिलाने में अहम योगदान- बहुत कम लोग जानते हैं कि कबीर को जाहिलों की कोह में से निकाल कर विद्वानों की पांत में बैठाने का काम आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ने ही किया था। कबीर के काव्य रूपों, पदावली, साखी और रमैनी का जो ब्यौरा, विस्तार और विश्लेषण आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ने परोसा है, और ढूंढ ढूंढ कर परोसा है, वह आसान नहीं था। फिर बाद में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सरीखों ने कबीर को जो प्रतिष्ठा दिलाई, कबीर को कबीर बनाया, वह आचार्य परशुराम चतुर्वेदी के किए का ही सुफल और विस्तार था, कुछ और नहीं। दादू, दुखहरन, धरनीदास, भीखराम, टेराम, पलटू जैसे तमाम विलुप्त हो चुके संत कवियों को उन्होंने जाने कहां-कहां से खोजा, निकाला और उन्हें प्रतिष्ठापित किया। संत साहित्य के पुरोधा जैसे विशेषण उन्हें यूं ही नहीं दिया जाता। मीरा पर भी आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ने जो काम किये वे अविरल हैं। गांव-गांव, मंदिर-मंदिर जो घूमे, यहां तक कि मीरा के परिवार के महाराजा अनूप सिंह से भी मिले तो यह आसान नहीं था। कुछ लोग तो उन्हें गड़े मुर्दे उखाड़ने वाला बताने लगे थे, पर जब उन की किताबें छप-छप कर डंका बजा गईं तो यह 'गड़े मुर्दे उखाड़ने वाले' की जबान पर ताले लग गए।

उत्तरी भारत की संत साहित्य की परख, संत साहित्य के प्रेरणा स्रोत, हिंदी काव्य धारा में प्रेम प्रवाह, मध्य कालीन प्रेम साधना, सूफी काव्य संग्रह, मध्य कालीन श्रृंगारिक प्रवृत्तियां, बौद्ध साहित्य की सांस्कृतिक झलक, दादू दयाल ग्रंथावली, मीराबाई की पदावली, संक्षिप्त राम चरित मानस और कबीर साहित्य की परख जैसी उन की किताबों की फेहरिस्त बहुत लंबी नहीं तो छोटी भी नहीं है। 'शांत रस एक विवेचन' में शांत रस का जो छोटा-छोटा ब्यौरा वह परोसते हैं, वह दुर्लभ है। अजीब संयोग है कि बलिया में गंगा के किनारे के गांव में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जन्मे और दूसरे किनारे के गांव जवहीं में आचार्य परशुराम चतुर्वेदी जन्मे। दोनों ही प्रकांड पंडित हुए। पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रसिद्धि का शिखर छू गए। और आचार्य परशुराम चतुर्वेदी ने विद्वता का शिखर छुआ। पर प्रसिद्धि जितनी उन्हें मिलनी चाहिए थी उतनी नहीं मिली। तो यह हिंदी वालों का ही दुर्भाग्य है, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी का नहीं।

प्रसिद्ध कृतियाँ - 'नव निबंध' (1951)

'हिन्दी काव्यधारा में प्रेम प्रवाह' (1952)

'मध्यकालीन प्रेम साधना' (1952)

'कबीर साहित्य की परख' (1954)

'भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएँ' (1955)

'संत साहित्य की परख'

सब्सक्रिप्शन खुलने से पहले ही आईपीओ में करें अप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेशक आज शेयर बाजार के साथ अपनी रूचि आईपीओ या प्राइमरी मार्केट में भी दिखाने लगे हैं। प्राइमरी मार्केट के तहत कंपनी आईपीओ जारी कर, शेयर बाजार में एंट्री लेने की तैयारी करती है। अगर आपको भी ओवरसब्सक्रिप्शन की वजह से आईपीओ अलॉट नहीं होता है। तो आप प्री अप्लाई का ऑप्शन चुन सकते हैं।

प्री अप्लाई में आप सब्सक्रिप्शन यानी प्राइमरी मार्केट में आने से पहले ही आईपीओ खरीद लेते हैं। आइए इसका प्रोसेस भी समझ लें।

ब्रोकरेज ऐप से कैसे खरीदे आईपीओ

स्टेप 1- सबसे पहले आपको ब्रोकरेज ऐप में लॉगिन करना होगा। अगर डीमैट अकाउंट नहीं है, तो इसे भी खोलना होगा।

स्टेप 2- अब यहां आपको pcoming IPO सेक्शन पर जाकर, आने वाले आईपीओ की डिटेल ले सकते हैं। इसके अलावा आप जागरण बिजनेस को फॉलो कर सकते हैं। यहां हम आपको आने वाले आईपीओ के बारे में डिटेल साझा करते रहते हैं।

स्टेप 3- इस सेक्शन पर आपको आईपीओ से जुड़ी सभी डिटेल्स दिख जाएगी।

स्टेप 4- अब जिस आईपीओ पर पैसा लगाना चाहते हैं, उस पर क्लिक करें।

स्टेप 5- इसके बाद यहां अपनी बिड डिटेल्स दर्ज करें।

स्टेप 6- अब आपको अंत में यूपीआई या अन्य सोर्स से पेमेंट करनी होगी।

आईपीओ सब्सक्रिप्शन लेने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आईपीओ खरीदते वक्त का रखें ध्यान- आईपीओ के जरिए आप कंपनी के शेयर खरीदते हैं। इसे आप सेकेंडरी मार्केट से नहीं बल्कि प्राइमरी मार्केट के तहत डायरेक्ट कंपनी से खरीदते हैं। आईपीओ खरीदते वक्त कई चीजों का ध्यान देना जरूरी है। इनमें प्राइस बैंड, लॉट साइज और न्यूनतम निवेश शामिल हैं। इसके अलावा आपको अनुमानित जीएमपी भी जरूर चेक करना चाहिए। हालांकि जीएमपी हमेशा बदलता रहता है, आईपीओ और जीएमपी से जुड़ी अपडेट के लिए जागरण बिजनेस पढ़ते रहें।

177% बढ़ गया इस दिग्गज कंपनी का प्रॉफिट, शेयर खरीदने की मची लूट

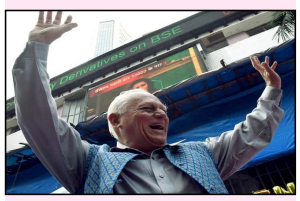

नई दिल्ली (एजेंसी)। वी-मार्ट रिटेल लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 12त्न से अधिक चढ़कर 854.35 रुपये पर आ गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे जून तिमाही के शानदार नतीजे हैं। वी-मार्ट रिटेल ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में अपने मुनाफे में 177त्न की वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने जून तिमाही में 34 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 12 करोड़ रुपये था। कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल 12.6% बढ़कर 885.2 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले यह 786 करोड़ था।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, रिटेलर का वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही का मुनाफा 33.6 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 12.14 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वहीं, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई 27.5% बढ़कर 126.4 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 99.1 करोड़ थी। EBITDA मार्जिन बढ़कर 14.28त्न हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 12.61% था। हालांकि, तिमाही के दौरान उसने दो कमजोर प्रदर्शन वाले स्टोर बंद कर दिए।

गुजिया और भुजिया बनाने वाली मशहूर कंपनी ने किया बड़ा करार, इस पड़ोसी देश में फैलाएगी कारोबार, खबर से उछले शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में 24 जुलाई को 3त्न से ज़्यादा की तेजी आ गई। दरअसल, शेयरों में यह बढ़ोतरी कंपनी के उस ऐलान के बाद हुई जिसमें बिकाजी फूड्स ने बताया कि नेपाल के चौधरी समूह के साथ उसने एक ज्वाइंट वेंचर किया है। यह पार्टनरशिप नेपाल में बीकाजी के पोर्टफोलियो के प्रोडक्ट्स जैसे- भुजिया, नमकीन, पापड़, डिब्बा बंद मिठाइयाँ और स्नैक्स के निर्माण, व्यापार और मार्केटिंग पर केंद्रित होगी।

बीकाजी फूड्स और चौधरी ग्रुप के बीच हुए इस समझौते की शर्तों के अनुसार, इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी में बीएफआईएल और सीजी फूड्स का बराबर-बराबर स्वामित्व होगा। कंपनी ने आगे कहा, दोनों पक्ष नेपाल में एक अत्याधुनिक सुविधा केंद्र बनाने के लिए पूंजी निवेश करेंगे ताकि उपभोक्ताओं को कम से कम समय में बेहतर नमकीन और मिठाइयाँ मिल सकें।

बढ़त पर खुले, गिरावट पर बंद शेयर- बीकाजी फूड्स के शेयर 24 जुलाई को 790 रुपये पर खुले और 814.65 का हाई लगा दिया। हालांकि, मार्केट में हावी गिरावट के चलते कंपनी के शेयर 778.90 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 12 महीनों में इस शेयर ने करीब 10त्न और इस साल अब तक 2.10त्न रिटर्न दिया है।

इससे पहले 23 जुलाई को बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान किया था। कंपनी ने बताया कि जून तिमाही (Q1FY26) में, बीकाजी फूड्स का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट (Y-o-Y बेसिस पर) 9 प्रतिशत बढ़कर 58.5 करोड़ हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में ?57.8 करोड़ था।

टाटा के चेयरमैन को कितनी मिलती है सैलरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप नाम तो सुना ही होगा। यह समूह लगभग हर बिजनेस में है। टाटा संस सभी कंपनियों को मैनेज करती है। इसके चेयरमैन एन चंद्रशेखरन है। उनकी सैलरी को लेकर इस समय सोशल मीडिया पर बात चल रही है। बात ये कि उनकी सैलरी में इजाफा हुआ है। टाटा संस ने उन्हें वित्त वर्ष 2025 में कुल 155.81 करोड़ रुपये वेतन और अन्य लाभ दिया है। इस वेतन ने एन चंद्रशेखरन को भारत में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कॉरपोरेट लीडर्स में से एक बना दिया है। उनके वेतन और भत्ते में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। चंद्रशेखरन 2017 से ही टाटा समूह का समूह का नेतृत्व कर रहे हैं।

मुनाफे में आई कमी लेकिन चेयरमैन की बढ़ी सैलरी- टाटा संस की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में टाटा संस के मुनाफे में 24.3 फीसदी की कमी देखने को मिली। 2024 में कंपनी का प्रॉफिट 34,654 करोड़ रुपये था जो वित्त वर्ष 2024 में कम होकर 26,232 करोड़ रुपये रह गया।

इसके उलट टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के वेतन और भत्ते में इजाफा हुआ। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की कुल संपत्ति लगभग 100 मिलियन डॉलर (855 करोड़ रुपये) आंकी गई है।

टाटा संस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कंपनी का कुल रेवेन्यू वित्त वर्ष 2025 में 11.52 प्रतिशत घटकर 38,834.58 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वर्ष 43,893 करोड़ रुपये था।

8वें वेतन आयोग में क्या चाहते हैं कर्मचारी, सरकार के सामने रख दी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। 1 जनवरी 2026 से लागू होने वाले 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की तैयारी शुरू हो गई है। सरकार ने इस संबंध में तेजी शुरू कर दी है। सरकार द्वारा वेतन की समीक्षा के लिए आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन की योजना की घोषणा के छह महीने बाद, उसे कर्मचारी प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त हुए हैं।

कर्मचारी संगठनों ने सरकार को अपनी मांगों की एक लंबी सूची सौंपी है। इस मांगों पर विचार करने की अपील की गई है। कर्मचारी संगठनों की मुख्य मांगों में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, कैशलेस इलाज की सुविधा, बच्चों की शिक्षा और छात्रावास का खर्च शामिल हैं।

कर्मचारी संगठनों ने मांग की है कि हथियार, रसायन, एसिड और विस्फोटक जैसी खतरनाक चीजों के निर्माण या भंडारण में काम करने वाले कर्मचारियों को जोखिम भत्ता और बीमा सुरक्षा प्रदान किया जाए।

रेलवे कर्मचारियों के लिए एक विशेष जोखिम और कठिनाई भत्ते की भी मांग की गई है, ताकि रोजाना जोखिम भरे माहौल में काम करने वालों को उनकी मेहनत और जोखिम के अनुसार मुआवजा मिल सके।

8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का असर केंद्र सरकार के लगभग 45 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों पर पड़ेगा। सरकार की ओर 8th Pay Commission की घोषणा तो कर दी गई है लेकिन अभी तक इसके गठन को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है। कर्मचारी इसके इंतजार में है।

क्या 1 जनवरी 2026 से लागू होगा 8वां वेतन आयोग- 7वां वेतन आयोग दिसंबर 2025 में समाप्त हो रहा है। इस हिसाब से 8वां वेतन आयोग जनवरी 2026 से ही लागू हो जाना चाहिए। हालांकि, अभी तक इसकी घोषणा ही नहीं हुआ।

आयगो की घोषणा के बाद इसकी सिफारिशों को लेकर केंद्र सरकार तय करेगी कि कर्मचारियों की सैलरी कितनी बढ़ाई जाए। भले ही इसमें देर हो लेकिन संभावना यह है कि कर्मचारियों को इसका लाभ जनवरी 2026 से ही मिलेगा।

8वें वेतन आयोग में कितनी बढ़ेगी सैलरी- 8वें वेतन आयोग को लेकर कई प्राइवेट फर्म ने अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की। अलग-अलग रिपोर्ट में अलग-अलग अनुमान लगाया गया है। सभी रिपोर्ट को मिला दिया जाए तो केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में 30 से 35 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

पावर कंपनी के इस शेयर में हाहाकार, एक ही दिन में 30% टूट गया भाव, 131 पर आ गया दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के शेयर में आज गुरुवार को भूचाल आ गया। कंपनी के शेयर आज 30% तक टूट गए और 131.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।इससे पहले इसका बंद प्राइस 187.85 रुपये था। इस भयंकर गिरावट के पीछे कंपनी के लिए एक निगेटिव खबर है। दरअसल, देश के पावर रेगुलेटरी, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा अगले साल से बाजार युग्मन लागू करने की घोषणा के बाद यह गिरावट आई।

इसके अलावा, आज पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा से पहले IEX का शेयर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा भारत में बिजली बाजार युग्मन को लागू करने के अपने फैसले की औपचारिक घोषणा की गई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जबलपुर में 1-1 बोरी खाद के लिए रात भर लाइन में खड़े किसान... टोकन के लिए हुई धक्का-मुक्की

जबलपुर। बारिश के साथ खरीफ सीजन ने दस्तक दे दी है और किसान खेतों की तैयारी में जुट गए हैं, लेकिन खाद और बीज की भारी किल्लत उनके सामने एक बड़ी चुनौती बन गई है। पनागर तहसील समेत पूरे जबलपुर जिले में खाद की मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ता अंतर किसानों को परेशान कर रहा है। एक-एक बोरी खाद पाने के लिए किसान रातभर कतार में खड़े नजर आ रहे हैं।

पनागर क्षेत्र में हालात ऐसे हैं कि किसान टोकन के लिए आधी रात को ही कृषि मंडी में जुटने लगे। किसी ने आधार कार्ड रखकर जगह बनाई तो किसी ने पत्थर रखकर लाइन में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बुधवार सुबह जैसे ही टोकन वितरण शुरू हुआ, अफरा-तफरी और धक्का-मुक्की का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल बुलाना पड़ा। कई किसानों को दोपहर तक भी टोकन नहीं मिल पाया।एक टोकन पर किसान को 6 डीएपी, 6 एनपी, यूरिया और नैनो डीएपी की मात्रा तय की गई है। लेकिन संकट इतना गहरा गया है कि 1600 रुपये में मिलने वाला डीएपी का कट्टा कई जगहों पर कालाबाजारी के चलते 2,000 से ऊपर बिकने की खबरें हैं।

इस अव्यवस्था और जमाखोरी को लेकर किसान खुलेआम नाराजगी जता रहे हैं। शासन-प्रशासन की नाकामी से खाद वितरण व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। हालांकि प्रशासन की ओर से कहा गया है कि खाद की कोई कमी नहीं है और सप्लाई लगातार हो रही है।

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिले में खाद वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे स्वयं क्षेत्रों में जाकर स्थिति का जायजा लें और किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद मिले, इसकी गारंटी दें। वहीं, क्षेत्रीय प्रबंधक मार्फेड और कृषि विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में खाद की लगातार आपूर्ति की जा रही है और जल्द ही दो और रैक आने वाले हैं।

उप संचालक कृषि डॉ. एसके निगम ने बताया कि जिले में इस समय 23,498 मीट्रिक टन उर्वरक मौजूद है, जिसमें यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके और एसएसपी शामिल हैं। इसके अलावा विपणन संघ, सहकारी समितियां और निजी विक्रेताओं के पास भी हजारों मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और अफवाहों से दूर रहें। खाद वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी की शिकायत होने पर संबंधित पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फुटेज में चोरी करते दिखा तो कबाड़ियों ने दी तालिबानी सजा

भोपाल। कबाड़खाना क्षेत्र में कबाड़ के कारोबार से जुड़े दो व्यापारियों द्वारा एक युवक को दुकान के कमरे में बंद करने के बाद उसे प्लास्टिक के पाइप, डंडे और बेल्ट से पीटकर अधमरा कर दिया। उसे लगभग 12 घंटे तक बंधक बनाकर भूखा-प्यासा रखा और रुक-रुककर मारपीट की।

किसी तरह से उनके चंगुल से छूटने के बाद घायल युवक मंगलवार-बुधवार की रात दो बजे थाने पहुंचा। इस मामले में पुलिस ने दो व्यापारियों सहित तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान कबाड़ियों ने सीसीटीवी के फुटेज पेश किए, जिसमें पीड़ित युवक चोरी के लिए जाते दिख रहा है। पीड़ित ने भी चोरी का प्रयास करने की बात कबूल की है।हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेशसिंह भदौरिया ने बताया कि शोएब नाम के युवक की शिकायत पर कबाड़ व्यापारी भैया उर्फ हामिद, सलमान कबाड़ी एवं एक अन्य के खिलाफ बंधक बनाकर मारपीट करने का केस दर्ज किया थास बुधवार को दोनों व्यापारियों एवं उनके कर्मचारी राशिद को गिरफ्तार कर लिया गया।उन्हें पुलिस को बताया कि शोएब अक्सर उनकी दुकान से सामान चोरी करता था। हाल ही में दुकान में लगे सीसीटीवी में शोएब चोरी करता दिखा। इसके बाद उसके साथ मारपीट की थी। शोएब के खिलाफ गौतम नगर थाने में मारपीट एवं अवैध हथियार रखने के मामले दर्ज हैं। इस मामले में व्यापारियों ने शोएब को पकड़ने के बाद पुलिस के हवाले करने के बजाए, खुद ही उसे सजा देकर अपराध कर लिया। शोएब का उपचार कराया जा रहा है।

फर्जी कस्टमर केयर नंबर से छात्र के खाते से उड़ाए 1.41 लाख रुपये, ई-वॉलेट रसीद के चक्कर में साइबर क्राइम का हुआ शिकार

जबलपुर। तकनीक की दुनिया में जहां सुविधाएं बढ़ी हैं, वहीं साइबर ठगी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ताजा मामला जबलपुर से सामने आया है, जहां एक छात्र ई-वॉलेट से रसीद प्राप्त करने के प्रयास में साइबर अपराधियों के जाल में फंस गया और उसके बैंक खाते से 1 लाख 41 हजार रुपये साफ हो गए।

ढीमरखेड़ा के ग्राम मेर निवासी 40 वर्षीय शैतान सिंह वर्तमान में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के देवेंद्र हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसने कुछ समय पूर्व अपने मोबाइल फोन से एक ई-वॉलेट ऐप के माध्यम से 20 हजार रुपये मूल्य का डिजिटल सोना खरीदा था। लेकिन दुर्भाग्यवश उस निवेश की रसीद कहीं गुम हो गई। रसीद के बिना वह रिफंड या निवेश की पुष्टि नहीं कर पा रहा था। रसीद दोबारा लेने के लिए उसने गूगल पर संबंधित ई-वॉलेट का कस्टमर केयर नंबर सर्च किया। जो नंबर उसे मिला वह असली नहीं, बल्कि एक ठग का जाल था। उस नंबर पर कॉल करने के बाद उसे तीन मोबाइल नंबर और दिए गए और बताया गया कि इन्हीं से सहायता मिलेगी। छात्र ने दिए गए नंबरों में से एक पर कॉल किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कहा कि वह जैसा बताए, वैसा मोबाइल पर करता जाए। बताया गया कि पूरी प्रक्रिया के बाद उसके ई-वॉलेट में रिफंड की राशि आ जाएगी।

बिना सोचे-समझे छात्र ने उसकी बताई हर प्रक्रिया को फॉलो किया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसे झटका तब लगा जब उसके बैंक खाते से एक लाख 41 हजार रुपये कट गए। इस ठगी के बाद छात्र सीधे सिविल लाइंस थाना पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला साइबर अपराध के अंतर्गत पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

Social Media पर भड़काऊ पोस्ट डाली तो होगी सख्त कार्रवाई... मुरैना कलेक्टर ने जारी किए कड़े आदेश

मुरैना। मुरैना जिले में सोशल मीडिया के जरिये धार्मिक, जातिगत या सामाजिक भावनाएं भड़काने वालों पर अब प्रशासन की पैनी नजर है। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने ऐसे मामलों को रोकने के लिए सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

ये आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रभाव में लाए गए हैं और 21 सितंबर 2025 तक लागू रहेंगे।कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, एसएमएस जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति धार्मिक, जातिगत या सामाजिक भावना को भड़काने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो या किसी अन्य प्रकार की सामग्री सोशल मीडिया पर डालता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।आदेश में कहा गया है कि सिर्फ डिजिटल नहीं, बल्कि भड़काऊ पोस्टर, पर्चे या बैनर लगाने या फाड़ने जैसी गतिविधियों पर भी प्रतिबंध रहेगा। ऐसे किसी भी कृत्य को प्रेरित करना या समर्थन देना भी कानून के दायरे में आएगा।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कहा कि मुरैना में शांति, सौहार्द और सामाजिक समरसता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अफवाह या उन्माद फैलाने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ओबीसी आरक्षण पर फिर शुरू हुई सियासत, मध्य प्रदेश सरकार रोक हटाने पहुंची सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। वर्ष 2019 से प्रदेश में चल रही ओबीसी सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस जहां सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी है और मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगी। वहीं, सरकार बढ़ाए गए 13 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर लगी रोक को हटवाने के सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई।

पांच अगस्त को मामले की सुनवाई होगी। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने इसे सरकार का दिखावा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि 27 प्रतिशत आरक्षण पर कोई रोक नहीं है तो फिर उसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है।हाई कोर्ट जबलपुर ने 2022 में ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत यानी पहले की तरह सीमित कर दी थी। कांग्रेस सरकार में इसे बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था लेकिन विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अभ्यर्थियों ने इसे हाई कोर्ट में इस आधार पर चुनौती दी कि कुल आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक हो रही है। कोर्ट में महाधिवक्ता कार्यालय में 87 प्रतिशत पदों के परिणाम घोषित करते हुए शेष 13 प्रतिशत पदों पर नियुक्ति को रोकने का फार्मूला दिया।

सुप्रीम कोर्ट में चल रही कई याचिकाएं

इसके आधार पर तब से भर्तियां हो रही हैं। विभिन्न याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में चल रही हैं। इसे लेकर कांग्रेस सरकार से लगातार सवाल पूछती रही है कि अब तक आरक्षण लागू क्यों नहीं किया गया। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कहा कि हाई कोर्ट 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर चुका है।सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि जब कोई स्थगन नहीं तो फिर इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है।

झाबुआ जिले में वृक्षारोपण के मातृधरा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन

महिलाएं दे रही है पर्यावरणीय भजन संध्या के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंदौर। इंदौर संभाग के झाबुआ जिले में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की पहल पर महिलाओं की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ÷मातृधरा अभियान (नारी शक्ति से प्रकृति को शक्ति)÷ प्रारम्भ हुआ हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं समाज को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से मातृशक्ति द्वारा निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ÷मातृधरा अभियान÷ के अंतर्गत श्री परशुरामेश्वर रामायण मंडल, मेघनगर नाका की महिलाओं ने एक अभिनव पहल करते हुए मंदिर प्रांगण में पर्यावरणीय भजन संध्या का आयोजन किया।

भजन संध्या में प्रस्तुत किए गए भजनों की विशेषता यह थी कि वे सभी पर्यावरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण जैसे विषयों पर केंद्रित थे। महिलाओं ने पारंपरिक स्वरूप में इन भजनों की प्रस्तुति दी, जिसमें भीली गीतों की मिठास के साथ-साथ पर्यावरणीय संदेश भी समाहित था। इन भजनों ने उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए प्रकृति के प्रति कर्तव्यबोध की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्याएं, युवा, बच्चे एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सभी उपस्थितों ने पर्यावरण की रक्षा, स्वच्छता बनाए रखने, पेड़ लगाने एवं जल बचाने की शपथ ली। इस मौके पर महिलाओं ने स्वनिर्मित पोस्टर एवं नारों के माध्यम से भी संदेशों का प्रसार किया।

रामायण मण्डल की महिलाओं ने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल समाज में जागरूकता लाती हैं, बल्कि महिला नेतृत्व को भी सशक्त बनाती हैं। उन्होंने आशा जताई कि यह अभियान और भी क्षेत्रों तक पहुंचेगा और अधिक से अधिक महिलाएं इससे जुड़ेंगी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने बताया कि मातृधरा अभियान का उद्देश्य महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एकजुट कर उन्हें सक्रिय भूमिका में लाना है। जब नारीशक्ति जागरूक होकर प्रकृति के लिए आगे बढ़ती है, तो सामाजिक परिवर्तन की एक नई ऊर्जा जन्म लेती है। इस अभिनव कार्यक्रम ने यह प्रमाणित कर दिया कि महिलाएं पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषयों को अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक माध्यमों से जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकती हैं। यह आयोजन एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सशक्त कदम है।

अवैध रूप से उर्वरक एवं कीटनाशी उत्पाद के अवैध भण्डारण पर कार्रवाई

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक और कीटनाशी उत्पाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इस क्रम में अवैध रूप से उर्वरक एवं कीटनाशी उत्पाद के अवैध भण्डारण और अवैध विक्रय के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक गोदाम के संचालक सहित अन्य के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास इंदौर ने बताया कि जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा विगत दिवस कैलोद हाला एसडीए कम्पाउण्ड लसुडिया मोरी देवास नाका स्थित गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स प्रतिभा बायोटेक के उर्वरक एवं कीटनाशक उत्पाद अवैध रूप से भण्डारित कर विक्रय किया जाना पाया गया। उक्त अनियमितता कीटनाशी अधिनियम 1968 तथा उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लंघन होने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत दण्डनीय अपराध है। मेसर्स प्रतिभा बायोटेक गोदाम के डायरेक्टर ई राजशेखर रेड्डी एवं करम सिंह के विरूद्ध पुलिस थाना लसुडिया मोरी देवास नाका में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। इस तरह की कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।

चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर के सहयोग से लगेगा नेत्र शिविर

इंदौर। इंदौर संभाग के बड़वानी जिला अस्पताल में 30 जुलाई को लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा चोइथराम नेत्र चिकित्सालय के सौजन्य से एक निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में यह शिविर होगा।

कृषि अवसंरचना निधि योजना अंतर्गत एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला 25 जुलाई को

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देशन में एवं प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड सह राज्य नोडल अधिकारी तत्वाधान से AIF योजना अंतर्गत एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 25 जुलाई 2025 शुक्रवार को जाल सभागृह साउथ तुकोगंज नाथ मंदिर के पीछे इन्दौर में किया जा रहा है। जिसमें देश में कृषि अवसंरचना में सुधार के क्रम को प्रोत्साहन एवं वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा कृषि अवसंरचना निधि योजना का संचालन किये जाने हेतु विचार-विमर्श होगा। इस कार्यशाला में संभाग के सभी 08 जिलों से मुख्यतः योजना के संभावित लाभार्थी एवं संबंधित विभागों क्रमशः कृषि, उद्यानिकी, सूक्ष्म-लघु, कृषि अभियांत्रिकी, मण्डी समिति, NRLM के अधिकारीगण, अन्य प्रतिभागियों सहित नाबार्ड के अधिकारीगण तथा जिलों में PMFME योजना के DRPs कार्यशाला में सम्मिलित होगे। यह कार्यशाला कृषि अवसंरचना निधि योजना में किसानों की आय में वृद्धि, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहन, और मूल्य श्रृंखला विकास शामिल हैं। योजनान्तर्गत इन्दौर संभाग के लिए वर्ष 2025-26 में 437 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित है।

महिला के घर में रंगे हाथ पकड़ा गया एसआई, भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा

इंदौर। इंदौर के खजराना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 6 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब महिलाओं ने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) की जमकर पिटाई कर दी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, महिलाओं ने एसआई सुरेश बुनकर को डंडों से पीटा, उसे बिजली के खंभे से बांधने की कोशिश की और उसके कपड़े उतारने तक का प्रयास किया। यह घटना क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना गई।

एसआई नशे की हालत में था- जानकारी के अनुसार, एसआई सुरेश बुनकर खेड़ी इलाके में एक महिला के घर पर मौजूद था, जिसका अपने पति से विवाद चल रहा है। बताया गया है कि पिछले दो महीनों से सुरेश उस महिला के संपर्क में था और उसके घर आना-जाना कर रहा था। गुरुवार सुबह महिला के परिजन और पड़ोसियों ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। लोगों का आरोप है कि सुरेश नशे में था और गालियां दे रहा था, साथ ही उसकी स्थिति आपत्तिजनक थी, जिससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

पलासिया से बुलाई गई अतिरिक्त फोर्स- एसआई की पिटाई की सूचना पर खजराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन भारी भीड़ के विरोध के चलते प्रारंभ में वह कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। बाद में पलासिया कंट्रोल रूम से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। अतिरिक्त बल के पहुंचने के बाद बड़ी मुश्किल से सुरेश बुनकर को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले जाया गया। इस दौरान पिटाई करने वाली कुछ महिलाओं को हिरासत में भी लिया गया है।

अतिक्रमण कर बनायी गई 11 दुकानें ध्वस्त - करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय जमीन करायी गई अतिक्रमण मुक्त

इंदौर। इंदौर जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन के अमले द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में आज एक बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में ग्राम पिपल्याकुमार स्थित भूमि खसरा क्रमांक 294 में अतिक्रमण कर बनायी गई 11 दुकानों को ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में 12 हजार वर्गफीट शासकीय जमीन अतिक्रमण मुक्त करायी गई। इसका बाजार मूल्य 25 करोड़ रुपये से अधिक है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए रहमत अली पटेल निवासी खजराना इंदौर के वीडिओ को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर श्री प्रदीप सोनी को जाँच के निर्देश दिए थे। श्री प्रदीप सोनी ने बताया कि इस संबंध में तहसीलदार जूनी इंदौर श्रीमती प्रीति भिसे व राजस्व निरीक्षक व हल्का पटवारी द्वारा जाँच की गई। जिसमें ग्राम पिपल्याकुमार स्थित भूमि खसरा क्रमांक 294 शासकीय भूमि के रूप में राजस्व अभिलेखों में दर्ज पायी गई।

प्रदेश में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था

इंदौर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों के प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की जा रही है। प्रशिक्षण के लिये भोपाल में एक राज्य स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान इंग्लिश लर्निंग ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट (ईएलटीआई) कार्यरत है। यह संस्थान राज्य के समस्त शासकीय, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षण संस्थानों में इंग्लिश भाषा संबंधी अकादमिक और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मार्गदर्शन एवं सहयोग कर रहा है। ईएलटीआई संस्थान इंग्लिश भाषा अध्यापन क्षेत्र में सतत उन्नयन एवं स्तरीकरण के लिये हैदराबाद के इंग्लिश एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) से सहयोग प्राप्त कर रहा है।

इंग्लिश भाषा शिक्षकों का प्रशिक्षण- स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इंग्लिश भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया है। प्रशिक्षण के लिये ईएलटीआई ने शिक्षण सत्र के लिये कैलेंडर तैयार किया है। संस्थान इंग्लिश भाषा के मूल्यांकन के लिये विभिन्न स्तरों के प्रश्न-पत्रों के निर्माण और अन्य विषय के प्रश्न-पत्रों के अनुवाद कार्य में भी सहयोग कर रहा है। इंग्लिश भाषा के शिक्षकों को प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े डिप्लोमा कोर्स कराने के लिये उनकी चयन प्रक्रिया में भी सहयोग कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में कार्यरत शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान विशेष ध्यान दे रहा है। संस्थान समय-समय पर विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के आकलन एवं मूल्यांकन के कार्यों को भी सतत रूप से कर रहा है।

इंग्लिश ओलम्पियाड- संस्थान ने पिछले वर्ष इंग्लिश विषय में कक्षा-2 से 8 के लिये संकुल, विकासखण्ड तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये ओलम्पियाड प्रश्न बैंक तथा प्रश्न-पत्रों का निर्माण किया था। पिछले वर्ष ओलम्पियाड में शामिल छात्रों की संख्या 10 लाख से अधिक रही। संस्थान ने माध्यमिक शालाओं में इंग्लिश विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिये आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण के लिये मेन्युअल का भी निर्माण किया है। संस्थान ने राज्य द्वारा निर्मित कक्षा-1 से 8 तक की इंग्लिश की पाठ्य-पुस्तकों और एनसीईआरटी से जुड़ी कक्षा-9 से 12 तक की पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण में समन्वय का कार्य भी किया है।

अतिक्रमण से मुक्त हुई 2130 हेक्टेयर जमीन पर बांस और मिश्रित वन की बयार

इंदौर। खंडवा जिले की गुड़ी रेंज में कुछ समय पहले तक जिस भूमि पर अपने फायदे के लिए अतिक्रमणकर्ताओं ने अनाधिकृत कब्जा कर रखा था। अब उस जमीन पर वन विभाग के प्रयासों से न सिर्फ एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 35 हजार पौधारोपण किया है। बल्कि 800 हेक्टेयर में सघन वनीकरण के लिए बीज बुवाई भी किया गया। खंडवा वनमंडलाधिकारी श्री राकेश डामोर ने बताया कि दिसम्बर और जून माह में विभाग द्वारा 2130 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। इसके बाद फारेस्ट कंसर्वेशन अधिनियम के तहत विस्तृत योजना में प्रस्ताव बनाया गया। विकास कार्यों के लिए अक्सर नेशनल हाइवे, रेलवे, पॉवर ग्रिड और एनएचडीसी द्वारा भूमि की मांग की जाती है। उन्हें भूमि देने के एवज में विभाग ने कैम्पा योजना में बिगड़े वनों को सुधारने के लिए अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन में 800 हेक्टेयर में सघन वनीकरण की योजना बनाई है। इसके अलावा अन्य भूमि पर पौधारोपण किया गया है।

पौधारोपण की सुरक्षा भी है अहम बिंदु लगाए गए सुरक्षाकर्मी- डीएफओ श्री डामोर ने बताया कि बिगड़े वनों को सुधारने के साथ ही सघन वन बनाने की दिशा में विभाग कार्यरत है। 800 हेक्टेयर क्षेत्र में 65 हजार बीजों की बुवाई के अलावा पूर्व में कांटे गए सागौन के ठूंठ को भी प्राकृतिक रूप से सुरक्षित करने के प्रयास किये गए है। क्षतिपूर्ति वनीकरण में पूरे क्षेत्र में पौधों की सुरक्षा के लिए 3 स्थानों पर वॉच टॉवर, सुरक्षाकर्मियों के लिए हट और फेंसिंग को प्राथमिकता दी जा रही है। इस भूमि पर वनीकरण की अलग-अलग योजना के तहत कार्य प्रारम्भ कर दिए है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

हरियाली अमावस्या के अवसर पर निगम द्वारा आयोजित किया गया विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम

उज्जैन। गुरुवार को हरियाली अमावस्या पर्व पर नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा समस्त जोन कार्यालय अंतर्गत आने वाले वार्डों में वृहद स्तर पर पौधारोपण करते हुए लगभग 04 हजार से अधिक पौधारोपण किया जाकर उनकी देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल द्वारा विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया जिसके क्रम में विधायक, महापौर एवं नगर अध्यक्ष की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 23 अंतर्गत पौधों का वितरण किया गया साथ ही वार्ड क्रमांक 02 छपाक स्विमिंग पूल के पास निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव द्वारा पौधारोपण किया गया

पौधारोपण कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न वार्डो में पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया जिसमें चकोर पार्क पर क्षत्रिय महासभा द्वारा 101 पौधे रोपित किए गए, क्षीरसागर गांधी बालोद्यान, वार्ड क्रमांक 18, वार्ड क्रमांक 4 विद्यासागर उद्यान, वार्ड क्रमांक 49 गणेश मंदिर से यातायात थाना वार्ड क्रमांक 53 हरिओम विहार केशव उद्यान, वार्ड क्रमांक 7, वार्ड क्रमांक 24, वार्ड क्रमांक 34 एवं 35 अंतर्गत हरि फाटक ब्रिज के नीचे कच्चा शमशान, वार्ड क्रमांक 36 तिलक उद्यान पर क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया

इस दौरान एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता, श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, जोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाह, श्री सुशील श्रीवास, श्री संग्राम सिंह भाटिया, नेता प्रतिपक्ष श्री रवि राय, पार्षद श्री हेमंत गहलोत, श्री गजेंद्र हिरवे, श्री गब्बर भाटी, श्रीमती आभा कुशवाहा, श्रीमती निर्मला करण परमार, उद्यान विभाग के अधिकारी श्री मनोज राजवानी, उपयंत्री एवं उद्यान विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया।

लायंस ऑफ उज्जैन द्वारा संयुक्त दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

उज्जैन। लायंस इंटरनेशनल के अंतर्गत लायंस ऑफ उज्जैन द्वारा वर्ष 2025-26 हेतु क्लब अध्यक्षों एवं उनकी कार्यकारिणियों के संयुक्त दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमा, उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस ऑफ़ उज्जैन लायन नरेन्द्र खंडेलवाल ने की। इस समारोह के मुख्य अतिथि एम.जे.एफ. लायन प्रवीण वशिष्ठ, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (3233 जी-2) रहे। संस्थापन अधिकारी एम.जे.एफ. लायन आर. जी. पाठक पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्षों एवं उनकी कार्यकारिणियों को विधिवत शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नव सदस्यों को लायन गिरीश जायसवाल द्वारा लायंस संस्था के आदर्शों की शपथ दिलाई गई। इन नव लायन सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए समारोह में उत्साह की नई ऊर्जा का संचार हुआ।

इस भव्य आयोजन की शोभा कैबिनेट सेक्रेटरी लायन सुशील पोरवाल, कैबिनेट एडिशनल सेक्रेटरी लायन जे.पी. पंचारिया, एलसीआईएफ डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन लायन संजय मित्तल, सीनियर लायन राकेश शर्मा, रीजन चेयरपर्सन लायन सत्येन्द्र श्रीवास्तव एवं सभी ज़ोन चेयरपर्सन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से और बढ़ाई। कार्यक्रम के संयोजक लायंस ऑफ उज्जैन के कोऑर्डिनेटर लायन नरेन्द्र खण्डेलवाल रहे, जबकि कार्यक्रम की एमओसी की भूमिका लायन वैशाली शुक्ला एवं लायन डॉ. गौतम शर्मा ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से निभाई। समारोह में सभी अतिथियों एवं लायन सदस्यों ने आत्मीयता एवं सौहार्द के वातावरण में सहभागिता की और लायंस परिवार की एकजुटता को सार्थक किया।

कीर समाज धर्मशाला बिलोटीपुरा का अध्यक्ष चुना जाना अवैधानिक

उज्जैन। कीर समाज धर्मशाला बिलोटीपुरा अध्यक्ष प्रकाशसिंह कीर आमुखेड़ी को हटाकर उनके स्थान पर राकेश हाड़ा ग्राम बामोरा को अध्यक्ष बनाना अवैधानिक है। रचना प्रकाशसिंह कीर ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष तेजु बाबा और वर्तमान अध्यक्ष प्रकाशसिंह कीर का संबंधित मामला जिला न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए संस्था, ट्रस्ट अधिनियमों का पालन किये बिना कोई भी पद तथा व्यक्ति परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। ऐसे में समाज के कुछ लोगों द्वारा बिना पूर्व सूचना के राकेश हाड़ा को अध्यक्ष बनाया जाना अवैधानिक है। प्रकाशसिंह कीर न्यायिक अभिरक्षा में होने के कारण अधिवक्ता के जरिये उन्होंने उक्त निर्णय का खंडन किया है।

3 अगस्त को निकलेगी चारद्वार साइकिल यात्रा- 2025

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण एवं साइकिल के प्रति जागरूकता अभियान चला रही संस्था सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल द्वारा युवाओं को शहर के धार्मिक और पौराणिक महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से 3 अगस्त, रविवार को चारद्वार साइकिल यात्रा- 2025 का आयोजन किया जाएगा।

प्रतिवर्ष श्रावण मास में निकाली जाने वाली एडवेंचर और आध्यात्म की इस अनोखी यात्रा में साइकिल यात्री 118 किलोमीटर के पंचकोशी मार्ग पर शिव रूप में विराजे उज्जैन के चार द्वारपाल की परिक्रमा एक दिन में साइकिल से पूरी करेंगे। इस आयोजन में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन भी सहभागी बना है।यात्रा संयोजक अमित पंडिया ने बताया चारद्वार साइकिल यात्रा का आयोजन प्रति वर्ष सावन माह में किया जाता है। जिसमें उज्जैन शहर के बाहर से भी लोग आते है। यात्रा का उद्देश्य युवाओं को धार्मिक नगरी उज्जैन के पौराणिक और धार्मिक महत्व से जोड़ना और साइकिल के प्रति जागरुक करना है। इस वर्ष यात्रा का निरंतर 5वां वर्ष है। पहली यात्रा वर्ष 2021 में निकाली गई थी। सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के सचिव विवेक मेश्राम के अनुसार 3 अगस्त को रविवार सुबह 6.30 बजे आगर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर से चारद्वार साइकिल यात्रा-2025 का शुभारंभ बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया जाएगा। साइकिल यात्री एक दिन में 118 किलोमीटर के पंचकोशी मार्ग पर शिव रूप में विराजे उज्जैन के चार द्वारपाल की परिक्रमा साइकिल से करके सायं 5 बजे उज्जैन वापस लौटेंगेस यात्रा का समापन मंगलनाथ मंदिर पर होगा। 30 जुलाई तक होंगे पंजीयन, अब तक 100 से अधिक पंजीयन हुए चारद्वार साइकिल यात्रा- 2025 के पंजीयन प्रभारी तुषार पिल्लैवार ने बताया 11 जुलाई से यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू हुए थे। जो 30 जुलाई तक चलेंगे। अभी तक 100 से ज्यादा पंजीयन हो चुके हैं। पंजीयन के लिए सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के पेज पर क्यूआर कोड को स्कैन करके और लिंक ओपन करके कर सकते है।

पूरी दुनिया से पोलियो उन्मूलन के लिये रोटरी ने दिया है करीब 12 हजार करोड़ रुपए का योगदान

रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर का पदग्रहण समारोह संपन्न

उज्जैन। पूरी दुनिया को पोलियो की बीमारी से 99.99 प्रतिशत मुक्त करने के दुरुह और पवित्र कार्य में रोटरी ने प्रमुख भूमिका निभाई है। रोटरी फाउंडेशन ने इस कार्य हेतु करीब 2.2 बिलियन डालर्स याने करीब 12000 करोड़ रुपयों का योगदान दिया है।

यह वक्तव्य रोटरो अंतर्राष्ट्रीय मंडल 3040 के मनोनीत मंडलाध्यक्ष रोटेरियन मुकेश साहू ने रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर के पदस्थापना समारोह पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। रोटेरियन मुकेश साहू ने बताया कि पूरे विश्व के 200 से अधिक देशों में 46000 क्लबों के माध्यम से करीब 12 लाख रोटेरियन्स, किसी न किसी रूप में मानवता की सेवा में संलग्न है। उन्होने रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर की 40 स्कूलों में स्टील फर्नीचर प्रोजेक्ट, छात्राओं के लिये कम्प्यूटर लेब और सिलाई मशीन केंद्र जैसे प्रकल्पों के लिए, क्लब की बहुत सराहना की। उन्होने रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर के पदस्थापना समारोह में अध्यक्ष पद के लिये रोटे. डॉ अजय खरे, उपाध्यक्ष हेतु रोटे डॉ तपन शर्मा और रोटे. प्रकाश हरभजनका, सचिव हेतु रोटे. आशीष दोषी, कोषाध्यक्ष हेतु रोटे मनोज तिवारी, सहसचिव हेतु रोटे विशाल गुप्ता सारजेन्ट-एट-आर्म्स हेतु डॉ अतुल शर्मा व कार्यकारिणी सदस्य हेतु रोटे डॉ राहुल पाटीदार, डॉ सम्राट घोष, रोटे कुलभूषण जुनेजा, रोटे राजीव बैराठी और रोटे डॉ. रूपेश खत्री को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए, असिस्टेंट गवर्नर रोटे विजय मूंदड़ा ने कहा कि रोटरी इस वर्ष कई मानवता की सेवा के कई प्रकल्प मंडल 3040 में करेगी। अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद रोटेरियन डॉ अजय खरे ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष भी हम कई सामुदायिक कार्यों की योजना बना रहे हैं। उन्होने कहा कि हम वर्ष की शुरुआत वनवासी छात्रावास कम्प्यूटर लेब को 6 नये कम्प्यूटर भेंट कर और दो जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल भेंट करके करेंगे। इस अवसर पर अतिथि द्वय ने रोटरी क्लब के निवृत्तमान अध्यक्ष रोटेरियन अनिल लिग्गा का उनके शानदार नेतृत्व और कार्य के लिये शाल और श्रीफल से सम्मान किया, तथा अभिनंदन पत्र भेंट किया, जिसका वाचन रोटे डॉ राहुल पाटीदार ने किया। अपने अभिनंदन के प्रत्युत्तर में बोलते हुए अनिल लिग्गा ने मानवता की सेवा करने का अवसर देने के लिए रोटरी को धन्यवाद दिया और सेवा में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

भजन मंडलियों को अपशब्द बोले जाने का विरोध, महाकाल सवारी का समय बढ़ाने की मांग की

उज्जैन। भगवान महाकाल की सावन भादौ मास की सवारी में कथित पुजारी द्वारा भजन मंडलियों को अपशब्द बोले जाने के विरोध में सवारी में चलने वाली भजन मंडलियों, भक्त मंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। साथ ही बाबा महाकाल की सवारी का समय बढ़ाने की मांग की।

महाकाल शयन आरती भक्त मंडल के संस्थापक संयोजक महेंद्र कटियार ने बताया कि ज्ञापन में कहा कि महाकाल की सावन भादौ मास की सवारी में सम्मिलित होने वाली भजन मंडलियां शासन द्वारा दिये गये निर्देश अनुसार अपने समय से चलती है। प्रथम सवारी में पालकी लेट होने पर प्रशासन ने पुजारी एवं कहार को इसका कारण माना था। इसके बावजूद शासन की अव्हेलना करते हुए पालकी लेट होने का दोष भजन मंडलियों पर थोपा है। और कथित पुजारी ने प्रेस में यह कहा है कि सवारी में बहुरूपियें लोग शामिल होते हैं। भगवान महाकाल की सवारी पूर्व में भी 8 से 8.30 बजे तक मंदिर में पुनः लौटकर प्रवेश करती थी, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के दर्शन का लाभ मिलता था। पिछले कुछ 7-8 वर्षों से यह नियम बनाया गया है कि बाबा की पालकी शाम 7 बजे मंदिर लौटकर आना चाहिये। यह निर्णय अनुचित है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com